[हिन्दी व्याकरण]

॥ शब्द रचना के तत्व ॥

(उपसर्ग) (3 -अंक)

Gyansindhu Coac

परिभाषा — वे शब्दाँश, जो किसी शब्द के प्रारम्भ में जुड़कर उसका अर्थ परिवर्तन कर देते हैं, उपसर्ग कहलाते हैं।

उपसर्ग → बनाए गए शब्द

परि - परिजन, परिक्रमा, परिमार्जन परिहास, परिवर्तन

सु - सुयोग्य, सुकुमार, सुलोचना, सुनैना

निर - निरवयव, निरपराध, निर्धन, निरभिमान, निर्दयी।

उप - उपमुख्यमंत्री, उपसंहार, उपार्जन, उपनिवेश, उपकार, उपयुक्त।

अभि - अभिज्ञान, अभिमान, अभिराम, अभिशाप

अधि - अधिवक्ता, अधिनायक, अधिकार, अधिपति, अधिनियम।

अप - अपयश, अपमान, अपवाद, अपशब्द

अनु - अनुगामी, अनुयायी, अनुचर, अनुसरण

अ - अराजकता, अन्याय, अधर्म, अनियमित अलगाव, अनाथ, अचेतन।

Scanned by TapScanner

अन – अनाधिकार, अनजान, अनसूया, अनसुना।

सह – सहचर, सहयोगी, सहायक, सहयुक्त

* * * * * *

दुर – दुर्व्यवहार, दुर्लभ, दुराचार, दुर्दमित

कु – कुख्यात, कुमार, कुकर्म, कुसंग

आ – आजन्म, आजीवन, आगमन, आकर्षण
आलेख

अति – अतिक्रमण, अत्यधिक, अतीन्द्रिय, अतिशय

ना – नालायक, नाकामयाब, नाजायज, नासमझ

स – सविलास, ससुर, सफल, सहृदय

वि – विकर्षण, विख्यात, विरक्त, विज्ञान

अव – अवज्ञा, अवमानना, अवतार, अवगुण

अध – अधमरा, अधकचरा, अध्यापक, अधमन

बे – बेपेंदा, बेजान, बेहिचक, बेहिसाब

प्र – प्रभाव, प्रबल, प्रवासी, प्रताप।

Scanned by TapScanner

(प्रत्यय) (२ अंक)

परिभाषा —

वे शब्दाँश, जो शब्द के अन्त में जुड़कर उनका अर्थ परिवर्तित कर देते हैं, प्रत्यय कहलाते हैं।

प्रत्यय → निर्मित शब्द

Very Imp. → 2021

आई → पढ़ाई, लिखाई, भराई, हँसाई

त्व – अपनत्व, घनत्व, महत्व, कवित्व

ता – उदारता, लघुता, कविता, सुन्दरता

पन – अपनापन, अजनबीपन, गोरापन, पागलपन, बचपन

वा – पहनावा, दिखावा, चलावा, चढ़ावा

वट – ~~सरसराहट~~, सजावट, बनावट, लिखावट

हट – चिकनाहट, गरमाहट, घबराहट, गड़गड़ाहट

*(अन्य) * * * * *

वान – दयावान, गाड़ीवान, पीलवान,

मान – अभिमान, श्रीमान औती – फिरौती, कठौती।

ईय – ईश्वरीय, माननीय,

इक – पारिवारिक, सामाजिक वैया – रवैया, कवैया

Scanned by TapScanner